the pioneer
RANCHI | WEDNESDAY | DECEMBER 4, 2019

ICFAI MEMBER RECEIVES BEST PHD AWARD

Dr Rajesh Kumar Prasad, Assistant Professor, Mechanical Engineering at ICFAI University, Jharkhand was selected by International Society for Energy, Environment and Sustainability (ISEES) for the Best PhD Thesis Award 2019 based on his scientific evaluation on 'Development of Laser induced Ignition of Hydrogen Enriched Compressed Natural Gas Supercharged Engine'. The award was given at the Fourth International Conference on Sustainable Energy and Environmental Challenges (IV- SEEC), held at CSIR- National Environmental Engineering Research Institute (NEERI), Nagpur from November 27 to November 29. Prof ORS Rao, Vice Chancellor of the University congratulated Prasad and said that the research will help in designing automobiles that can use alternative fuels and reduce air pollution levels.

प्रभात खबर
रांची, बुधवार
04.12.2019

राजेश को मिला सर्वश्रेष्ठ थीसिस अवार्ड

रांची. इक्फाइ विवि के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ राजेश कुमार को सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थिसिस का अवार्ड दिया गया है. इनके पीएचडी कार्य को वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, इन्वॉयरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आइएसइइएस) द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस अवार्ड-2019 के लिए चुना गया. इनके पीएचडी का विषय हाइड्रोजन से समृद्ध प्राकृतिक गैस सुपरचार्ज इंजन के लेजर प्रेरित इग्निशन का विकास था. इन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के इंजन रिसर्च लेबोरेटरी में अपना शोध पूरा किया. सीएसआइआर के राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, नागपुर में 27-29 नवंबर, 2019 को आयोजित सतत ऊर्जा और पर्यावरणीय चुनौतियों के चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ प्रसाद को यह अवार्ड प्रदान किया गया. विवि के कुलपति ने डॉ राजेश को बधाई दी है.

Morning India
www.sanmarglive.com
03 Ranchi, Wednesday
4 December 2019

ICFAI University Faculty Member awarded for 'Best PhD Thesis'

MI NEWS SERVICE

RANCHI: Dr. Rajesh Kumar Prasad , Assistant Professor, Mechanical Engineering at ICFAI University , Jharkhand was selected by International Society for Energy, Environment and Sustainability (ISEES) for the Best PhD Thesis Award -2019,

based on the scientific evaluation of his PhD work on "Development of Laser induced Ignition of Hydrogen Enriched Compressed Natural Gas Supercharged Engine".

Dr Prasad conducted the research at the Engine Research Laboratory at IIT, Kanpur.

The award was given to Dr Prasad at the Fourth International Conference on Sustainable Energy and Environmental Challenges (IV-SEEC), held at CSIR-National Environmental Engineering Research Institute (NEERI) , Nagpur from 27-29th November 2019. The award included a Citation and Plaque, along with token cash award.

"This award was very competitive with a large number of applicants however your work stood apart to enable you to get this award," said the selection committee in its communication to Dr Prasad.

"This award was given to Dr Rajesh Kumar Prasad for his excellent scientific contribution in the areas of Internal Combustion Engines and Laser Ignited Engines", said the Citation of the award.

खबर मंत्र

रांची, बुधवार 04 दिसंबर 2019

आइसीएफएआई विवि के संकाय सदस्य सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस के लिए पुरस्कृत

खबर मंत्र संवाददाता

रांची। डॉ. राजेश कुमार प्रसाद, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, झारखंड में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के सहायक प्रोफेसर, को उनके पीएचडी कार्य के वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आईएसईईएस) द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस अवार्ड -2019 के लिए चुना गया। हाइड्रोजन से समृद्ध प्राकृतिक गैस सुपरचार्ज इंजन के लेजर प्रेरित इग्निशन का विकास हुआ। डॉ प्रसाद ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के इंजन रिसर्च लेबोरेटरी में अपना शोध पूरा किया। सीएसआईआर के राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान एनईईआरआई, नागपुर में 27-29 नवंबर, 2019 को आयोजित सतत ऊर्जा और पर्यावरणीय चुनौतियों के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ प्रसाद को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र शामिल था। और

पत्रिका, नकद पुरस्कार के साथ। यह पुरस्कार बड़ी संख्या में आवेदकों के साथ प्रतिस्पर्धात्मक था, हालांकि आपका काम आपको इस पुरस्कार को पाने में सक्षम बनाता है। डॉ प्रसाद को इसके संचार में चयन समिति ने कहा। प्रशास्ति पत्र के अनुसार डॉ राजेश कुमार प्रसाद को यह पुरस्कार आंतरिक दहन इंजन और लेजर प्रज्वलित इंजन के क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट वैज्ञानिक योगदान के लिए दिया गया है। डॉ प्रसाद को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा, डॉ प्रसाद के शोध से ऑटोमोबाइल को डिजाइन करने में मदद मिलेगी जो वैकल्पिक ईंधन का उपयोग कर सकते हैं और वायु प्रदूषण के स्तर को भी कम कर सकते हैं। हमारा विश्वविद्यालय अपने संकाय सदस्यों और पीएचडी विद्वानों को उद्योग और समाज द्वारा सामना की जाने वाली वास्तविक जीवन की समस्याओं पर शोध करने के लिए प्रोत्साहित करता है।